भारत अगले वर्ष लद्दाख अथवा कश्मीर में जी-20 समिट आयोजित करेगा?

चीन और पाकिस्तान लद्दाख में जी-20 मीटिंग कराए जाने पर कड़ा ऐतराज जता रहे हैं

नई दिल्ली, 7 जुलाई। अगले साल जी-20 की मीटिंग के एक हिस्सा का आयोजन लद्दाख में भी हो सकता है। भारत जी-20 की बैठकों के लिए न सिर्फ जम्मू-कश्मीर बल्कि लद्दाख को भी संभावित वेन्यू के तौर पर देख रहा है। इसे भारत की तरफ से चीन को सख्त और दो टूक संदेश के तौर पर देखा जा सकता है। चीन ने जम्मू-कश्मीर में जी-20 मीटिंग कराए जाने को लेकर ऐतराज किया है। खास बात यह है कि अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर के दो केंद्रशासित प्रदेशों- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के तौर पर बंटवारे के बाद यहां पहली बार कोई अन्तर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन होगा।

भारत 2023 में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले समूह की कई बैठकों की मेजबानी करेगा। इसके लिए कई वेन्यू पर विचार किया जा रहा है,

- **भारत के इस कदम को, चीन को उसी की भाषा में जवाब देने का एक तरीका माना जा रहा है। दरअसल भारत का मानना है कि, चीन भी भारत के हितों की कभी परवाह नहीं करता इसलिए भारत को भी चीन की भावनाओं और हितों की परवाह करने की कोई जरूरत नहीं है।**

जिनमें जम्मू-कश्मीर भी शामिल है। चीन और पाकिस्तान ने लद्दाख में जी-20 समिट आयोजित करने के कदम का विरोध किया है। भारत ने अगले वर्ष जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन जम्मू कश्मीर अथवा लद्दाख में किये जाने संबंधी रिपोर्टों पर चीन एवं पाकिस्तान की आपत्तियों को आज दरकिनार कर दिया।

विदेश मंत्रालय में प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में सवालों के जवाब में कहा, भारत इस वर्ष 2022 में जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। अगले वर्ष शिखर सम्मेलन एवं मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के अलावा जी-20 के कई सम्मेलन देश के विभिन्न भागों में आयोजित किये जाएंगे।

चीन ने लद्दाख और पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर में जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन की रिपोर्टों पर विरोध जताया है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उन्होंने दलाई लामा को फोन किया और उनके जन्मदिन की बधाई दी।

इसे प्रधानमंत्री की तरफ से सामान्य शिष्टाचार का प्रदर्शन नहीं माना जाना चाहिए। पी.एम. ने पिछले वर्ष से ही दलाई लामा को बधाई देना शुरू किया है। एक तो तिब्बती आध्यात्मिक गुरु को फोन करने और ऊपर से इसकी सार्वजनिक घोषणा करने के पीछे मकसद चीन की दुखती रग को छेड़ना ही है। चीन दलाई लामा को अलगाववादी मानता है। इस कारण एल.ए.सी. पर तनाव के बाद से भारत सरकार दलाई लामा से सार्वजनिक संपर्क साधने से बचती रही है। लेकिन जब चीन ने पारस्परिक संवेदनाओं, एक-दूसरे के हितों और चिंताओं की परवाह नहीं की तो भारत उसे उसकी भाषा में जवाब देना लाजिमी समझ रहा है।

ठाणे नगर निगम के 67 में से 66 पार्षदों ने शिंदे गुट जॉइन किया

मुंबई, 7 जुलाई। उद्धव ठाकरे के हाथ से महाराष्ट्र की सत्ता गई, फिर सामने आई पार्टी बचाने की चुनौती। अब उनके लिए अपना गढ़ भी बचाना नामुमकिन हो गया है।

एकनाथ शिंदे के महाराष्ट्र की सत्ता संभालने के दो दिन के अंदर ही ठाणे भी उद्धव ठाकरे के हाथ से निकल गया है। महानगरपालिका के 66 पार्षद एकनाथ शिंदे के साथ खुलकर आ गए हैं। इन पार्षदों ने शिंदे से मुलाकात की और इसके बाद ऐलान किया कि वो शिवसेना के शिंदे खेमे का समर्थन कर रहे हैं। पार्षदों के साथ मुख्यमंत्री शिंदे की कई तस्वीरें भी सामने आई हैं।

ठाणे को एकनाथ शिंदे का गढ़ माना जाता है। यहीं से उन्होंने आनंद दिघे के संपर्क में रहकर सियासत सीखी और पहली बार 1997 में शिवसेना के पार्षद बने।

अब शिवसेना के उद्धव ठाकरे खेमे का ठाणे पर से भी कब्जा छूट गया है। महानगरपालिका में 67 पार्षद हैं। अब 66 के शिंदे कैंप में जाने के बाद सिर्फ एक पार्षद ही उद्धव खेमे में बचा है।

करौली में दुकानदार व खरीददार के बीच मारपीट: बाजार में भगदड़ मची

बाजार बंद हुए, स्कूलों में बच्चों की छुट्टी हुई

करौली, 7 जुलाई (निसं.)। एक समुदाय के युवकों और एक दुकानदार के बीच खरीदारी को लेकर हुई मारपीट से शहर के बाजारों में भगदड़ सी मच गई। मारपीट में दुकानदार पक्ष के दो जने घायल हो गए। जिनका सामान्य चिकित्सालय में उपचार चल रहा है लेकिन झगड़े और भगदड़ की सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत मौके पर पहुंचकर दुकानें खुलवाई शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए और पुलिस ने दिनभर फ्लैग मार्च किया।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को प्रात: 11:30 बजे के करीब शहर के भूडारा बाजार स्थित एक वर्ग की दुकान पर दूसरे समुदाय के तीन चार जने लोहे का फावड़ा आदि सामान खरीदने आए। उसी दौरान दोनों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई और बात मारपीट तक पहुंच गई। एक समुदाय के लोगों और दुकानदार के बीच जमकर मारपीट हुई जिसमें दुकानदार भसीम

- **शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात।**

पुत्र रफीक और उसका पिता रफीक चोट लगने से लहूलुहान हो गए। उधर दोनों पक्षों के बीच हुए झगड़े से बाजार में एक साथ भगदड़ सी मच गई और पूरे शहर की दुकानें बंद हो गई। शहर के बाजार बंद की सूचना पर सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में भी बच्चों की छुट्टी कर दी। स्कूलों से बालकों को लाने के लिए अभिभावकों में हड़बड़ी मच गई।

इधर जिला कलैक्टर अंकित कुमार सिंह और जिला पुलिस अधीक्षक नारायण टोंगस को घटना की सूचना मिलते ही दोनों ही अधिकारी तत्परता से पुलिस बल के साथ शहर के बाजारों में पहुंच गए और घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। पूरे शहर में पैदल एवं वाहनों से घूम कर बाजारों को खोलने की दुकानदारों से अपील की गई। इसके अलावा अफवाओं पर किसी प्रकार का ध्यान नहीं देने और शांति बनाए रखने के लिए कहा गया। कोतवाली थाना अधिकारी दिनेश चंद्र मीणा व कई थाना अधिकारी भारी पुलिस जाब्ते के साथ शहर में पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार गठित जिला स्पेशल टीम ने 3 लोगों को हिरासत में लिया बाकी लोगों की पुलिस तलाश में जुटी है। इसके उपरांत जिला कलैक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने घायलों की कुशलक्षेम पूछते हुए प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. पूरणमल वर्मा से बात की। उधर झगड़े में घायल रफीक पुत्र बशीर अहमद ने कोतवाली पर तीन चार जनों के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

ज्ञात रहे कि गत 2 अप्रैल को हुए सांप्रदायिक तनाव के बाद शहर में चहल-पहल शुरू हुई मगर गुरुवार को दुकानदार और खरीददारों के बीच हुए छोटे से झगड़े से शहर का माहौल एक साथ अफवाहों में बदल गया।

प्रदेश के आधे से ज्यादा जिलों में फिर करोना संक्रमण फैला

राज्य में गुरूवार को 20 जिलों में 154 नए संक्रमित मिले हैं

जयपुर, 7 जुलाई। प्रदेश में तीसरी लहर के बाद फिर करोना संक्रमण आधे से ज्यादा जिलों में फैल गया है। इसके चलते गुरूवार को राज्य के 20 जिलों में 154 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं राज्य में एक मरीज की मौत भी हुई है। इस बीच प्रदेश में रिकवरी कम होने से ऐक्टिव केस बढ़कर साढ़े नौ सौ के करीब पहुंच गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को 154 नए संक्रमित सामने आए हैं। इससे पहले बुधवार को 164 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी में थोड़ी गिरावट के बाद 47 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 27, बीकानेर, 16, अजमेर 11, अलवर 9, भीलवाडा 7, सिरोही 6, उदयपुर व नागौर में 5-5, दौसा 4, हनुमानगढ व टोंक में 3-3, राजसमंद, चूरू व बाड़मेर में 2-2 तथा भरतपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, गंगानगर और झालावाड़ में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 13 जिलों बांसवाड़ा, बारां, बूंदी, धौलपुर, जैसलमेर, जालोर,

- **सबसे ज्यादा 47 नए मरीज जयपुर में मिले हैं।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से एक मरीज की मौत हो गई है, जबकि एक्टिव केस बढ़कर 945 हो गए हैं।**

झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर और सीकर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में गुरूवार को भी रिकवरी में कमी आई है। इस दौरान राज्य में 120 मरीज ठीक हुए हैं।

इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 945 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 363 रोगियों का इलाज चल रहा है। वहीं जोधपुर में 142 जबकि बीकानेर में 104 ऐक्टिव केस मौजूद है।

उधर प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में बीकानेर में करोना से एक मरीज की मौत हो गई है। इसके साथ ही जिले में अब तक इस बीमारी से 590 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। राज्य में करोना से अब तक 9570 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में आज सबसे ज्यादा 6 नए संक्रमित मानसरोवर में मिले हैं। इसके अलावा सांगानेर में 5, विद्याधर नगर में 4, मालवीय नगर, जवाहर नगर व दुर्गापुरा में 3-3, आमागढ़, अजमेर रोड, बैनाड रोड, सिविल लाइंस, गांधीनगर, गुर्जर की थड़ी, हवा सड़क, जगतपुरा, जनता कॉलोनी, कानोता, खातीपुरा, लालवास, महेश नगर, निर्माण नगर, प्रताप नगर, राजापार्क, शास्त्री नगर और सीतापुरा में 1-1 नया मरीज मिला है। इसके अलावा 5 मरीजों का पता गलत निकला है। जिले में गुरूवार को 50 मरीज ठीक हुए हैं।

वीवो के दो उच्च अधिकारी देश से फरार हुये

नई दिल्ली, 7 जुलाई (वार्ता)। भारत ने चीनी मोबाइल कंपनी वीवो के ठिकानों पर जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर चीनी दूतावास के बयान को खारिज करते हुए आज कहा कि देश में काम करने वाली किसी भी विदेशी कंपनी को भारत के कानून मानने होंगे। ई.डी. के छापों के बाद वीवो के दो उच्च अधिकारी देश से फरार हो गये हैं।

- **जैसा कि विदित है कि, गत मंगलवार को ई.डी. ने वीवो के 40 ठिकानों पर एक साथ छापामारी की थी।**

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने यहां नियमित ब्रीफिंग में वीवो मोबाइल कंपनी के कामकाज एवं जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर कहा, यहां काम करने वाली कंपनियों को देश का कानून मानना होगा। हमारी कानूनी एजेंसियां देश के कानून के हिसाब से कदम उठा रहीं हैं। वीवो कंपनी के दो निदेशकों के भारत से फरार होने के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि हमें सरकारी एजेंसियों से ऐसी कोई सूचना नहीं है।

सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया

जैसा कि विदित है कि, सांसद महुआ मोइत्रा ने स्वयं को मां काली का भक्त बताते हुये कहा था कि, काली माता मांसाहारी हैं व मद्यपान भी करती हैं

नई दिल्ली, 7 जुलाई (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के विरुद्ध देवी काली मां के बारे में टेलीविजन पर चर्चा के दौरान कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर दिल्ली पुलिस में गुरुवार को शिकायत दर्ज कराई।

दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष राजन तिवारी और प्रवक्ता हरीश खुराना ने नई दिल्ली जिला के पुलिस उपायुक्त के समक्ष तीन पृष्ठों के शिकायती पत्र के साथ फिल्म निर्माता लीना मणिमेकलाई के खिलाफ लोगों की धार्मिक भावनाएं भड़काने के इरादे से बयान देने, शब्दों और चित्रों के माध्यम से किसी धर्म, जाति, भाषाई या क्षेत्रीय समूह के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण बात करने और लोगों की धार्मिक आस्थाओं का अपमान करने का आरोप लगाते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 295, 505 (2), 509, 153 (ख) और 120 ख के तहत संसद मार्ग थाने में मामला दर्ज कर, दोनों के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया है।

- **इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने "काली" फिल्म की निर्माता लीना मणिमेकलाई के खिलाफ भी धार्मिक भावनायें भड़काने का मामला दर्ज किया है।**

शिकायत में भाजपा के नेताओं ने दोनों के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम धारा 66 और 67 के तहत ही लोगों की भावनाएं भड़काने के आरोप में कार्रवाई किए जाने की मांग की है। उन्होंने शिकायती पत्र के साथ देवी काली पर लीना मणिमेकलाई द्वारा निर्मित वृत्त चित्र के प्रचार सामग्री (पोस्टर) का उस पृष्ठ की छायाचित्र भी पुलिस को दी है जिसमें काली मां का आपत्तिजनक चित्र भी शामिल है।

भाजपा नेताओं ने कहा है कि लीना नामक महिला की काली मां के इस तरह के चित्रण पर व्यापक निंदा हो रही है। शिकायती पत्र में यह भी कहा गया है कि आजकल बहुत से उग्रपंथी संगठनों को भारत में साम्प्रायिक सौहार्द में खलल डालने के लिए विदेशों से धन मिल रहा है। दिल्ली भाजपा के लेटर हेड पर लिखी शिकायत में पुलिस से मांग की गयी है कि वह अपनी साइबर टीम के माध्यम से सोशल मीडिया पर इस पोस्टर के प्रसार में लगे लोगों की पहचान उजागर करें और सोशल मीडिया पर काली मां के उस पोस्टर के प्रसार को तत्काल रोका जाए। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि 'एक पोस्टर' को लेकर दिल्ली पुलिस को शिकायत मिली थी....इसमें प्रथम दृष्ट्या धारा 153ए/295ए का मामला देखते हुए पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने एक मामला दर्ज किया है।

अमेरिका का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैरिस का समर्थन करेंगे। और अगर चुनाव रोन डीसैन्टिस, जो रिपब्लिकन हैं तथा कमला हैरिस के बीच हो तो उस स्थिति में 39 प्रतिशत लोग हैरिस के तथा 37 प्रतिशत लोग डीसैन्टिस को वोट देंगे।

संयुक्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के दस महीने बाद भी अजय मिश्रा टेनी को निर्लज्जतापूर्वक केन्द्रीय मन्त्रियमंडल में रखे जाने का भी विरोध कर रहा हैं।

एस.के.एम. द्वारा घोषित विरोध प्रदर्शनों में शामिल हैं-अग्निपथ भर्ती योजना के खिलाफ 7 से 14 अगस्त तक पूरे देश में "जय जवान, जय किसान" सम्मेलन, एम.एस.पी. की गारंटी के विश्वासघात के खिलाफ 500 जिलों में "चक्का जाम" तथा किसान हत्याकांड को लेकर गृह राज्य मन्त्री अजय मिश्रा टेनी के बर्खास्त किये जाने से सकार के इनकार के खिलाफ लखीमपुर खीरी में 18 से 20 अगस्त तक 75 घंटे का विशाल धरना।

राजनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपस्थित रहने की सम्भावना हैं।

एक अन्य प्रेस-विज्ञप्ति में, रक्षा मन्त्रालय ने का है कि सेना भर्ती कार्यालय मुम्बई 20 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक थाणे जिले के मुम्ब्रा नामक स्थान पर सेन्य भर्ती करेगा। यह भर्ती कौसा वैली के अब्दुल कलाम अज़ाद स्टेयिम में होगी।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि तीन सप्ताह तक चलने वाली इस भर्ती प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य महाराष्ट्र के युवाओं के लिये रोजगार सृजित करना, उन्हे भारतीय सेना के हिस्से के रूप में, मातृभूमि की सेवा करने का सुअवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हे एक गरिमापूर्ण जीवन बिताने का अवसर देना हैं।

हाई कोर्ट ने रीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोऑर्डिनेटर" घोषित किया गया था और प्रदीप पाराशर ने 2011, 12, 15 और 19 में परीक्षा आयोजित करने का अनुभव हासिल कर लिया था।

इस पर ए.बी.वी.पी. के वकील ने कहा कि, पिछले वर्षों में प्राइवेट पार्टी को जयपुर में को आर्डिनेटर घोषित किये जाने से गलत को सही कैसे साबित नहीं किया जा सकता है। जयपुर के अलावा सभी जिलों में ए.डी.एम. ही कोऑर्डिनेटर थे।

अदालत ने एस.ओ.जी. की जांच में संतुष्ट होते हुए कहा कि वह केवल आरोपी की तर्ज पर जांच को दिशा नहीं दे सकती है। उन्होंने कहा कि एस.ओ.जी. ने इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया है और आगे भी करेगी। अदालत ने पेपर लीक मामले में एस.ओ.जी. को स्वत: जांच जारी करने के आदेश दिये और कहा कि वह इस मामले में सारी जांच को दिशा देने के लिए आदेश नहीं देगी। अदालत ने कहा कि अगर इस मामले में कोई नया तथ्य सामने आता है, तो वह उसे जरूर सुनेगी। एस.ओ.जी. द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों को अदालत ने बंद लिफाफे में रिकॉर्ड पर लिया है और साथ ही डी.पी. जारोली से पूछताछ के दौरान दिये गये बयान को भी रिकॉर्ड पर ले लिया है। भर्ती-2011 लैवल-1 को भी खारिज करने से संबंधित कई अन्य मामलों को अदालत ने 25 तारीख को सुनने का फैसला किया है। ए.बी.वी.पी. के वकील आयुष मल ने कहा कि उनके द्वारा दायर याचिका से अदालत से प्रार्थना की गई थी की वह मामला सी.बी.आई. जांच के लिए दिया जाए और साथ ही रीट भर्ती 2021 लेवल-1 परीक्षा को भी रद्द कर दिया जाये, जिसमें सरकार कई नियुक्तियां कर चुकी है। उन्होंने कहा कि 25 तारीख के बाद वे अदालत के सी.बी.आई. को जांच नहीं सौंपने के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका पेश करेंगे।

नैशनल हाई स्पीड रेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आदेश माना जा रहा है, जिसमें सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन (सी.बी. आई.) को निर्देश दिए गए थे कि वह अग्निहोत्रि के रेल विकास निगम लिमिटेड (आर.वी.एन.एल.) के चेयरमैन कम मैनेजिंग डॉयरैक्टर के नौ वर्ष के कार्यकाल के दौरान एक प्राइवेट कंपनी से सांठगांठ के आरोपों की जांच करे। आर.वी.एन.एल. रेल मंत्रालय का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। लोकपाल कोर्ट की जस्टिस अभिलाषा कुमारी ने सी.बी.आई. को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे कि क्या अग्निहोत्रि के खिलाफ भ्रष्टचार निरोधक अधिनियम 1988 के तहत कोई मामला बनता है तथा इस संबंध में भारतीय लोकपाल के दफ्तर में छह माह के भीतर या 12 दिसम्बर 2022 के पूर्व जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

गत वर्ष सितम्बर माह में दर्ज एक शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आर.बी.एन.एल. के दो पूर्व अधिकारी अग्निहोत्रि और आर.बी.एन.एल. के पूर्व निदेशक (वित्त) ने अपने पद का दुरूपयोग कर नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (एन.ई.सी.एल.) की एक सहायक कंपनी मैसर्स कृष्णापटनम रेल कंपनी लिमिटेड (के.आर.सी.एल.) नामक एक निजी कंपनी को अनाधिकृत रूप से 11 सौ करोड़ (16 सौ करोड़ रूपए ब्याज सहित) डायवर्ट किए। शिकायत में कहा गया था कि इससे राजकोष को भारी हानि हुई। यह आरोप लगाया गया था कि अग्निहोत्रि ने डिपार्टमैंट ऑफ पब्लिक एन्टरप्राइज़ेज (डी.पी.ई.) और द सैन्ट्रल विजीलैंस कमीशन (सी.वी. सी.) की गाइडलाइन्स का उल्लंघन कर एन.ई. सी.एल. को आर.वी.एन.एल. के बड़े कॉन्ट्रैक्ट्स दिलवाए। यह भी आरोप लगाया गया था कि सेवानिवृत्ति बाद की नौकरियों में अनिवार्य कूलिंग ऑफ पीरियड़ के सरकारी नियमों का उल्लंघन कर अग्निहोत्रि व अन्य अधिकारियों को लेन-देन कर एन.ई.सी.एल. में हद से अधिक वेतन और सुविधाएं दी गईं। शिकायत में आरोप लगाया गया कि जब उनके पुत्र एक अलग प्राइवेट फर्म में नौकरी में थे तब अग्निहोत्रि न रिश्वत के रूप में "वाइट" में भारी धन राशि ली, जबकि उक्त दोनें ही कंपनियां आर.वी. एन.एल. की कन्सलटैंट के रूप में कार्यरत थीं।

अन्य आरोपों में कहा गया कि अग्निहोत्रि ने अपनी पुत्री की एन.ई.सी.एल. में नौकरी लगवा दी और स्वयं के एन.ई.सी.एल. छोड़कर प्रबंध निदेशक के रूप में एन.एच.एस.आर. सी. एल. जॉइन करने के बावजूद निजी कंपनी से आवास सुविधा व अन्य लाभ जारी रखे।

शिकायतकर्ता ने दोनों अधिकारियों पर परफोर्मैंस रिलेटेड पे (पी.आर.पी.) में जोड़-तोड़ के आरोप भी लगाए। पी.आर.पी. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में प्रपेज्य है। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने एक करोड़ रूपए से अधिक की राशि ली। लोकपाल बैंच ने अपने आदेश में डी.पी.ई. से अनुरोध किया कि वह निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए अपनी पी.आर.पी. नीति पर पुनर्विचार करे। आदेश की एक कॉपी रिव्यू के लिए रेल मंत्रालय और डी.पी.ई. को फॉरवर्ड की गई। आर.वी.एन.एल. के पूर्व निदेशक (वित्त) के संदर्भ में, जिन्हें प्रतिवादी सरकारी सेवक-2 कहा गया है, बैंच ने टिप्पणी की कि कोई अग्रिम कार्रवाई अपेक्षित नहीं है क्योंकि सांठगांठ के आरोपों की पर्याप्त साक्ष्य ऑन रिकॉर्ड मौजूद नहीं है।

बोरिस जॉनसन ने इस्तीफा देने का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आम चुनाव में अपनी पार्टी को जबरदस्त बहुमत दिलाया था तथा जिसने अभी पिछले महीने ही कहा था कि उनका इरादा 2030 के दशक में भी इस पद पर अपनी सेवाएं देने का है, वह अन्त बड़ी बदनामी वाला अंत है।

अभी पिछले सप्ताह ही, जॉनसन मैड्रिड के नाटो सम्मेलन के समापन भाषण की तैयारी कर रहे थे। वे इस आठ दिन तक चले सम्मेलन के बाद, बड़े उत्साहपूर्ण एवं प्रसन्न नजर आ रहे थे। उन्होंने उनके साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों द्वारा उनकी घरेलू अनबन के बारे में पूछे गये प्रश्नों की अनदेखी कर दी थी तथा कहा था कि इस समय उनका पूरा ध्यान रूस-यूक्रेन युद्ध में, यूक्रेन को सहयोग उपलब्ध करने की कोशिशों पर है।

वे स्वयं की छवि को एक ऐसे ताकतवर वैश्विक नेता के रूप में प्रस्तुत करना चाहते थे, जो दबंग लोगों का सामना करना तथा जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहता है।

कन्जर्वेटिव पार्टी का क्रोध पिछले सप्ताह उस समय बहुत बढ़ गया, जब प्रधानमंत्री ने एक सांसद, क्रिस पिंचर को फरवरी में सरकार में एक वरिष्ठ पद दे दिया, जबकि 2019 में उसके अनुचित व्यवहार के लेकर एक विधि शिकायत दर्ज की जा चुकी थी। पिंचर के बारे में तथा उसके व्यवहार के बारे में सब जानते हुये, उनका पद बदले जाने से प्रधानमंत्री की ईमानदारी तथा न्यायप्रियत के बारे में नये-नये सवाल उठने लगे। फरवरी 2020 में, जॉनसन ने सुनक को चांसलर ऑफ द एक्सचैकर नियुक्त कर दिया था, जो कैबिनेट में उनका प्रथम पूर्ण पद था।

सुनक पूर्ण डिफेंस सैक्रेटरी पेनी मॉर्डोंट तथा फॉरेन सैक्रेटर सैक्रेटरी लिज़ ट्रस-दोनों की संयुक्त पसंद हैं। जहाँ पेनी मॉर्डोंट महामारी-काल में बहुत लोकप्रिय हो गये थे क्योंकि व्यवसायों तथा श्रमिकों की मदद के लिये 10 अरब पॉउन्ड जैसी बहुत बड़ी रकम की व्यवस्था की थी, वहीं लिज़ ट्रस्ट सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के ज़मीनी नेताओं के पसंदीदो व्यक्ति हैं तथा वैबसाइट "कन्जर्वेटिव होम" द्वारा किये गये पार्टी सदस्यों के सर्वे में लगातार शीर्ष पर रहे हैं।

सुनक, जिनका निक-नेम "डिशी" ऋषि है, अपनी पत्नी के नॉम-डॉम-टैक्स स्टेट्स उनके स्वयं के अमेरिकन ग्रीन कार्ड को लेकर स्वयं को थोड़ा पीछे महसूस कर रहे थे। इसके अलावा, उनके बारे में यह आमधारणा भी की थी कि वे ब्रिटेन के कॉस्ट ऑफ लिविंग संकट पर प्रतिक्रिया देने में बहुत समय लगाते हैं।

मदिरा-सेवन नहीं करने वाले सुनक पर कोविड लॉकडाउन का विरोध करने तथा डाउनिंग स्ट्रीट सभा में भाग लेने के कारण जुर्माना भी हुआ था।

ऋषि सुनक के दादा-दारी पंजाब से इंग्लैंड गये थे। उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति इन्फोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायणमूर्ति की पुत्री हैं तथा ऋषि एवं अक्षता दो पुत्रियों के माता-पिता हैं। ऋषि और अक्षता की मुलाकात विद्यार्थी जीवन कैलिफोर्निया में हुई थी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल अन्य दावेदार हैं- पूर्व विदेश सचिव जैरेमी हंट, रक्षा मंत्री बेन वालेस, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद तथा वित्त मंत्री नदीम ज़हावी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908